पूर्वानुमान जारी करने हेतु अधिकृत कृषि मौसम सलाहकार इकाई- कृषि मौसम पूर्वानुमान , मौसम केंद्र , लखनऊ –

भाग-प्रथम –

बुलेटिन क्रमांक – 28/21 **जारी करने की तिथि- 06/04 2021**

विभिन्न जलवायु अंचलों के अंतर्गत जिलेवार पिछले मौसम का सारांश दिनांक – 02/03/2021 के 08:30 से 06/03/2021 08:30 तक -	विभिन्न जलवायु अंचलों के अंतर्गत जिलेवार मौसम का पूर्वानुमान दिनांक 06/03/2021 के 08:30 से 10/03/2021 08:30 तक वैध -

1) नोडल अधिकारी इलाहाबाद- जिले फतेहपुर, प्रतापगढ़, इलाहाबाद, चित्रकूट, कौशाम्बी |

मौसम सारांश	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में विगत अवधि में मौसम शुष्क रहा।	मौसम पूर्वानुमान	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में आगामी अवधि में पहले एवं दुसरे दिन हल्की वर्षा / गर्जन तथा शेष अवधि में मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है ।
अधिकतम/ न्यूनतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से +5 से +5 डिग्री सेल्शि यस रहा । (अधिकतम सामा	अधिकतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से 0 से +5 डिग्री सेल्शियस रहने की संभावना हैं । (अधिकतम सामान्य तापमान 38 डिग्री

	न्य तापमान 37 डिग्री सेल्शियस)		सेल्शियस)
वायु दिशा / गति	वायुगति पश्चिमी व गति 13-16 किमी०/घंटा रही |	वायु दिशा / गति	वायुदिशा पूर्व से पश्चिमोत्तर व गति 09-14) किमी०/घंटा रहने की संभावना है|
सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रही |	सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रहने की संभावना है |
बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ रहा |	बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ रहने की संभावना है|
प्रमुख वर्षामान (5 सेंटीमीटर या अधिक)	कुछ नही	मौसम चेतावनी	कुछ नही
2) **नोडल अधिकारी बहराईच- जिले बहराईच,श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा, कुशीनगर व सिद्धार्थनगर |**			
मौसम सारांश	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में विगत अवधि में मौसम शुष्क रहा।	मौसम पूर्वानुमान	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में आगामी अवधि में मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है ।

अधिकतम/ न्यूनतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से +2 से +2 डिग्री सेल्शियस रहा । (अधिकतम सामान्य तापमान 36 डिग्री सेल्शियस)	अधिकतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से -2 से +4 डिग्री सेल्शियस रहने की संभावना हैं । (अधिकतम सामान्य तापमान 37 डिग्री सेल्शियस)
वायु दिशा / गति	वायुदिशा पश्चिमी से दक्षिणपूर्वी व गति 01-05 किमी०/घंटा रही।	वायु दिशा / गति	वायुदिशा पूर्वोत्तर से पश्चिम व गति 07-15 किमी०/घंटा रहने की संभावना है।
सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रही ।	सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रहने की संभावना है ।
बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ से मुख्तया साफ़ रहा ।	बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ रहने की संभावना है।
प्रमुख वर्षामान (5 सेंटीमीटर या अधिक)	कुछ नही	मौसम चेतावनी	कुछ नही

3) नोडल अधिकारी भरारी :- जिले जालौन, ललितपुर, झांसी, बाँदा, महोबा व हमीरपुर ।

मौसम सारांश	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में विगत अवधि में मौसम शुष्क	मौसम पूर्वानुमान	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में आगामी अवधि में मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है ।

	रहा।		
अधिकतम/ न्यूनतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से +5 से +5 डिग्री सेल्शि यस रहा । (अधिकतम सामान्य तापमान 37 डिग्री सेल्शि यस)	अधिकतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से 0 से +5 डिग्री सेल्शियस रहने की संभावना हैं । (अधिकतम सामान्य तापमान 38 डिग्री सेल्शियस)
वायु दिशा / गति	वायुदिशा पश्चिमी से पश्चिमोत्तर व गति 05-12 किमी०/घंटा रही|	वायु दिशा / गति	वायुदिशा उत्तर से पश्चिमोत्तर व गति 10-16 किमी०/घंटा रहने की संभावना है|
सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रही ।	सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रहने की संभावना है ।
बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ रहा ।	बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ रहने की संभावना है|
प्रमुख वर्षामान (५ सेंटीमीटर या अधिक)	कुछ नही	मौसम चेतावनी	कुछ स्थानों पैर गर्म हवा चलने की संभावना है
4) नोडल अधिकारी –फ़ैजाबाद- जिले बाराबंकी, रायबरेली, सुल्तानपुर, गोरखपुर, फ़ैजाबाद, बस्ती अम्बेदाकारनगर, संतकबीरनगर, देवरिया व बलिया|			
मौसम सारांश	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में	मौसम पूर्वानुमान	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में

	विगत अवधि में मौसम शुष्क रहा।		आगामी अवधि में मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है ।
अधिकतम/ न्यूनतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से +1 से +1 डिग्री सेल्शियस रहा । (अधिकतम सामान्य तापमान 37 डिग्री सेल्शियस)	अधिकतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से –2 से +4 डिग्री सेल्शियस रहने की संभावना हैं । (अधिकतम सामान्य तापमान 37 डिग्री सेल्शियस)
वायु दिशा / गति	वायुदिशा पूर्वी से दक्षिणपश्चिमी व गति 01-04 किमी०/घंटा रही|	वायु दिशा / गति	वायुदिशा पूर्वोत्तर से पश्चिमोत्तर व गति 09-15 किमी०/घंटा रहने की संभावना है|
सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य से कम रही ।	सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रहने की संभावना है ।
बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ रहा ।	बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ रहने की संभावना है|
प्रमुख वर्षामान (५ सेंटीमीटर या अधिक)	कुछ नही	मौसम चेतावनी	कुछ नही ।

5) नोडल अधिकारी कानपुर :- जिले कन्नौज हाथरस, मथुरा, आगरा, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, कानपुर शहर, उन्नाव, लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी, खीरी-लखीमपुर, काशीरामनगर ।

मौसम सारांश	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में विगत अवधि में मौसम शुष्क रहा।	मौसम पूर्वानुमान	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में आगामी अवधि में मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है ।
अधिकतम/ न्यूनतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से +2 से +2 डिग्री सेल्शियस रहा । (अधिकतम सामान्य तापमान 36 डिग्री सेल्शियस)	अधिकतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से -1 से +6 डिग्री सेल्शियस रहने की संभावना हैं । (अधिकतम सामान्य तापमान 37 डिग्री सेल्शियस)
वायु दिशा / गति	वायुदिशा पूर्वी से दक्षिणपश्चिमी व गति 01-04 किमी०/घंटा रही।	वायु दिशा / गति	वायुदिशा पूर्वी से पश्चिमोत्तर व गति 08-15 किमी०/घंटा रहने की संभावना है।
सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रही ।	सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रहने की संभावना है ।
बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ रहा ।	बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ रहने की संभावना है।
प्रमुख वर्षामान (५ सेंटीमीटर या अधिक)	कुछ नही	मौसम चेतावनी	कुछ स्थानों पैर गर्म हवा चलने की संभावना है

6) नोडल अधिकारी मोदीपुरम- जिले मेरठ, पीलीभीत सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, अलीगढ, बुलंदशहर, मुरादाबाद, ज्योर्तिबाफुलेनगर, बिजनौर बदायूं, बरेली, रामपुर, शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद ,शामली,सम्भल,हापुड़।

मौसम सारांश	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में विगत अवधि में मौसम शुष्क रहा।	मौसम पूर्वानुमान	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में आगामी अवधि में मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है ।
अधिकतम/ न्यूनतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से +3 से +3 डिग्री सेल्शियस रहा । (अधिकतम सामान्य तापमान 34 डिग्री सेल्शियस)	अधिकतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से -3 से +5 डिग्री सेल्शियस रहने की संभावना हैं । (अधिकतम सामान्य तापमान 35 डिग्री सेल्शियस)
वायु दिशा / गति	वायुदिशा पश्चिमी से दक्षिणपश्चिमी व गति 03-04 रही।	वायु दिशा / गति	वायुदिशा पूर्व से पश्चिमोत्तर व गति 08-16 किमी०/घंटा रहने की संभावना है ।
सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रही ।	सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रहने की संभावना है ।
बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ से मुख्तया साफ़ रहा ।	बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ रहने की संभावना है।
प्रमुख वर्षामान (५ सेंटीमीटर या अधिक)	कुछ नही	मौसम चेतावनी	पहले एवं दुसरे दिन बिजली चमक के साथ 30 से 40 किमी की रफ़्तार से हवा चलने की सम्भावना है ।कुछ स्थानों पैर गर्म हवा चलने की संभावना है ।
7)नोडल अधिकारी वाराणसी :- जिले वाराणसी, आजमगढ़, गाजीपुर चंदौली , सोनभद्र, मिर्जापुर,			

संतरविदासनगर, मऊ व जौनपुर।			
मौसम सारांश	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में विगत अवधि में मौसम शुष्क रहा।	मौसम पूर्वानुमान	उक्त अंचलों व आसपास के क्षेत्रों में आगामी अवधि में मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है ।
अधिकतम/ न्यूनतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से +4 से +4 डिग्री सेल्शियस रहा । (अधिकतम सामान्य तापमान 37 डिग्री सेल्शियस)	अधिकतम तापमान	अधिकतम तापमान सामान्य से –2 से +3 डिग्री सेल्शियस रहने की संभावना हैं । (अधिकतम सामान्य तापमान 38 डिग्री सेल्शियस)
वायु दिशा / गति	वायुदिशा पश्चिमी व गति 02-04 किमी०/घंटा रही।	वायु दिशा / गति	वायुदिशा पूर्वोत्तर से पश्चिमी व गति 07-13 किमी०/घंटा रहने की संभावना है।
सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रही ।	सापेक्षित आद्रता	सापेक्षित आर्द्रता सामान्य रहने की संभावना है ।
बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ रहा ।	बादलों की स्तिथि	आसमान साफ़ रहने की संभावना है।
प्रमुख वर्षामान (5 सेंटीमीटर या अधिक)	कुछ नही	मौसम चेतावनी	कुछ नही

(ए.के. सिंह)
वैज्ञानिक-सी
कृते प्रभारी निदेशक
मौसम केंद्र, लखनऊ

पूर्वानुमान जारी करने हेतु अधिकृत कृषि मौसम सलाहकार इकाई
मौसम केंद्र लखनऊ
भाग-II
जिलेवार कृषि मौसम सलाहें-

बुलेटिन क्रमांक- 28/21 ***जारी करने की तिथि- 06/04/21***

फसल	फसल	I) नोडल अधिकारी इलाहाबाद- जिले फतेहपुर, प्रतापगढ़, इलाहाबाद,

	अवस्था	चित्रकूटनगर, कौशाम्बी	
रबी फसल	सामान्य	आगामी शुष्क मौसम के मद्देनजर किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसलों को काटकर आवश्यकता के अनुसार भण्डार और कोल्ड स्टोरेज में रखें।
जायद फसल	बोआई/ उद्भव	• जायद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • हमें कीटनाशक डाइक्लोरोव 76% ई.सी. और जिनेब 75% डब्लु . .पी . मूंग, उड़द, सोयाबीन, सूरजमुखी और कपास के संरक्षण के लिए प्रयोग में लाने चाहियें ।
मूंग/उरद	बोआई/उद्भव	• मूंग /उरद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।
आलू	बोआई/उद्भव	• फसल कटने के बाद आलू को सुरछित शीतगृह में रखना चाहिए।
सोयाबीन/सूरज-मुखी	बोआई/उद्भव	• सोयाबीन/सूरज-मुखी फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।

मटर	बोआई/उद्भव	*बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए। *मटर की फसल में निराई-गुड़ाई बुआई के 20-25 दिन बाद करनी चाहिए।
लहसुन	बोआई/उद्भव	➢ क्या सिंचाई की आवश्यकता है और जब भी आवश्यकता होती है, बुवाई के 40 दिनों के पहले शीर्ष ड्रेसिंग के रूप में 75 किलोग्राम / हेक्टेयर लागू करें और बुवाई के 60 दिनों के दौरान दूसरे शीर्ष ड्रेसिंग को दोहराया जाना चाहिए।
अलसी	बोआई/उद्भव	➢ मृदा परीक्षण और जिस्ट के अनुसार उर्वरक का प्रयोग करें। मृदा परीक्षण की सुविधा के अभाव में 120 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किग्रा फॉस्फेट और 60 किग्रा पोटाश को अन्तराल में डालें या अंतिम बुवाई के समय मृदा उपचार करें। ➢ वरुण, नरेंद्र¬रई 8501, रोहनी को समय पर बुवाई के लिए सत्यता की सिफारिश की जाती है, जहाँ देर से बुआई के लिए आशिरवाड़ और वरदान उपयुक्त हैं।
हरा चना	बोआई/उद्भव	➢ मुंग और काले चने (उरद) के पीले चूर्ण फफूंदी रोग के उपचार के लिए डायमेथोएट 30 ईसी या मिथाइलोडेमेटोन 25 ईसी 1 लीटर के 3 से 4 छिड़काव 1000 लीटर पानी में 10-15 दिनों के अंतराल पर आवश्यकता के अनुसार घोलें।
टमाटर	बोआई/उद्भव	➢ नर्सरी में टमाटर और कोल गोभी के बीज की कम उपज वाली किस्मों की बुवाई की सलाह दी जाती है।

मूली	बोआई/उद्भव	➢ मूली की बुआई के लिए 6-8 किग्रा / हेक्टेयर बीज दर का प्रयोग करें|समय समय पर सिचाई करते रहे |
बैंगन	सामान्य	➢ इंटरकल्चरल ऑपरेशन शुरू करें और बैंगन, मिर्च, ओकरा आदि में पानी न डालें।
प्याज	बोआई/उद्भव	➢ प्याज को 15x10 सेमी की दूरी पर रोपाई करें|
सूरजमुखी	वानस्पतिक अवस्था	➢ सूरजमुखी के 25-30 दिन बुवाई के बाद शीर्ष ड्रेसिंग 40 किलोग्राम नाइट्रोजन (87 किलोग्राम यूरिया) डालें।
शिमला मिर्च	बोआई/उद्भव	➢ फूलगोभी के लिए खेत की तैयारी के दौरान मिट्टी में सड़े गोबर (200- 250 क्विंटल) या कम्पोस्ट (80 क्विंटल) की जैविक खाद लगाएं जबकि बुवाई के दौरान 40 किलोग्राम नाइट्रोजन 60 किलोग्राम फॉस्फेट और 40 किलोग्राम पोटाश डालने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने की सलाह दी जाती है।
सोयाबीन	बोआई/उद्भव	➢ फूल और फली गठन चरणों में सोयाबीन में वर्षा की अनुपस्थिति के दौरान सिंचाई प्रदान करते हैं।
आंवला	सामान्य	आंवला में फल सडन की रोकथाम के लिए ब्लिटॉक्स 3 ग्राम / लीटर पानी का छिड़काव करें।

केला	प्रत्यारोपण/कीट नियंत्रण	➢ किसानों ने सलाह दी कि यदि, इसका समय, केले के रोपण के लिए स्वस्थ और रोग मुक्त प्रकंद का उपयोग करें और 3 महीने पुराने प्रकंद का उपयोग करें।
लीची	प्रत्यारोपण/कीट नियंत्रण	➢ लीची में लाल धूल की बीमारी और शूटी मोल्ड्स के संरक्षण के लिए ब्लिटॉक्स 0.3% (3 ग्राम / लीटर पानी) का छिड़काव करें।
आम	प्रत्यारोपण/कीट नियंत्रण	➢ मैंगो में लाल धूल की बीमारी से बचाव के लिए ब्लाइटॉक्स 0.3% (3 ग्राम / लीटर पानी) का छिड़काव करें।
पपीता	सामान्य	*पपीते की बीजो की बुबाई हेतु तैयारी करे | पौधे को साधने के लिए 25 से 30 मीटर लम्बी लकड़ी को सहारा देने के लिए लगाना चाहियें |
गाय	सामान्य	➢ वर्मीसाइड दवा पीने से पहले और बाद में बी-कम्पलीट दें।
मुर्गी	सामान्य	➢ किसानो को रोजाना सफाई करनी चाहिए | उनके लिए साफ़ पानी व संतुलित आहार की व्यवस्था करनी चाहिए |पोल्ट्री फार्म में रानीखेत बीमारी के खिलाफ टीकाकरण करें।

(ए.के. सिंह)
वैज्ञानिक-सी

कृते प्रभारी निदेशक
मौसम केंद्र, लखनऊ

पूर्वानुमान जारी करने हेतु अधिकृत कृषि मौसम सलाहकार इकाई
मौसम केंद्र लखनऊ
भाग-II
जिलेवार कृषि मौसम सलाहें-

बुलेटिन क्रमांक- 28/21 ***जारी करने की तिथि- 06.04.21***

फसल	फसल अवस्था	II) नोडल अधिकारी बहराईच- जिले बहराईच,श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा, कुशीनगर व सिद्धार्थनगर
रबी फसल	सामान्य	आगामी शुष्क मौसम के मद्देनजर किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसलों को काटकर आवश्यकता के अनुसार भण्डार और कोल्ड स्टोरेज में रखें।

जायद फसल	बोआई/उद्भव	• जायद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • हमें कीटनाशक डाइक्लोरोव %76ई और .सी. जिनेब %75डब्लु ..पी . मूंग, उड़द, सोयाबीन, सूरजमुखी और कपास के संरक्षण के लिए प्रयोग में लाने चाहियें ।
मूंग/उरद	बोआई/उद्भव	• मूंग /उरद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।
सोयाबीन/सूरज-मुखी	बोआई/उद्भव	• सोयाबीन/सूरज-मुखी फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।
बैंगन	बोआई/उद्भव	➢ वर्तमान मौसम में दीमक फसलों और सब्जियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। किसानों को सिंचाई के पानी के साथ क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी @ 4 मिली / लीटर पानी का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। वर्तमान मौसम को ध्यान में रखते हुए, किसानों को अपने खेतों की नियमित रूप से निगरानी करने की सलाह दी जाती है। इमीडाक्लोप्रिड 17.8% एससी @ 1.0 मिलीलीटर / 3 लीटर पानी का छिड़काव आसमान साफ होने पर सभी फसलों और सब्जियों में सफेद मक्खियों और अन्य चूसने वाले कीटों के खिलाफ करने की सलाह दी जाती है।

हरा चना	बोआई/उद्भव	➢ हरे चने और काले चने की बुवाई इस समय अच्छे और प्रमाणित बीजों से करनी चाहिए। ➢ सभी दालों, सब्जियों और अन्य फसलों में उचित जल निकासी की जानी चाहिए|
गन्ना	बोआई/उद्भव	➢ किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने गन्ने में यूरिया की शीर्ष ड्रेसिंग करें क्योंकि उचित नमी मिट्टी में उपलब्ध है और तेजी से बढ़ते गन्ने के लिए आवास से बचने की कोशिश कर रहे हैं।
टमाटर	सामान्य	➢ वर्तमान मौसम में दीमक वर्तमान मौसम में फसलों और सब्जियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। किसानों को सिंचाई के पानी के साथ क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी @ 4 मिली / लीटर पानी का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। वर्तमान मौसम को ध्यान में रखते हुए, किसानों को उनकी निगरानी करने की सलाह दी जाती है|नियमित रूप से खेतों। इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एससी @ 1.0 मिली / 3 लीटर पानी का छिड़काव आसमान साफ होने पर सभी फसलों और सब्जियों में सफेद मक्खियों और अन्य चूसने वाले कीटों के खिलाफ करने की सलाह दी जाती है।
मिर्च	बोआई/उद्भव	➢ मिर्च, बैगन फूलगोभी, टमाटर आदि जैसी सब्जियों के लिए रोपाई की जानी चाहिए।
केला	बोआई/उद्भव	जो किसान इस बारिश के मौसम में नए बाग स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि गड्ढों को 1 मी × 1 मी × 1 मी खोदें और इन्हें अच्छी तरह से विघटित

		एफवाईएम से भरें। दीमक और सफेद ग्रब को रोकने के लिए गड्ढों का उपचार 5.0 मिलीलीटर क्लोरोपाइरीफोस 20 ईसी प्रति लीटर पानी के साथ करना चाहिए।
आम	प्रत्यारोपण/ कीट नियंत्रण	➢ जो किसान इस बारिश के मौसम में नए बाग स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि गड्ढों को 1 मी × 1 मी × 1 मी खोदें और इन्हें अच्छी तरह से विघटित एफवाईएम से भरें। दीमक और सफेद ग्रब को रोकने के लिए गड्ढों का उपचार 5.0 मिलीलीटर क्लोरोपाइरीफोस 20 ईसी प्रति लीटर पानी के साथ करना चाहिए।
पपीता	सामान्य	*पपीते की बीजो की बुबाई हेतु तैयारी करे | पौधे को साधने के लिए 25 से 30 मीटर लम्बी लकड़ी को सहारा देने के लिए लगाना चाहियें |
भैंस	सामान्य	➢ मौसम की स्थिति के अनुसार, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने पशुओं की देखभाल करें और उन्हें स्वच्छ स्थान पर बाँधें । उन्हें हरा व सुखा चारा पर्याप्त मात्र में देना चाहियें | जानवरों को तीन से चार बार पानी पिलाना चाहियें |

(ए.के. सिंह)
वैज्ञानिक-सी
कृते प्रभारी निदेशक
मौसम केंद्र, लखनऊ

<u>पूर्वानुमान जारी करने हेतु अधिकृत कृषि मौसम सलाहकार इकाई</u>

मौसम केंद्र लखनऊ

भाग-II

जिलेवार कृषि मौसम सलाहें-

बुलेटिन क्रमांक- 28/21 *जारी करने की तिथि- 06/04/21*

फसल	फसल अवस्था	III) नोडल अधिकारी भरारी :- जिले जालौन, ललितपुर, झांसी, बाँदा, महोबा व हमीरपुर।
रबी फसल	सामान्य	आगामी शुष्क मौसम के मद्देनजर किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसलों को काटकर आवश्यकता के अनुसार भण्डार और कोल्ड स्टोरेज में रखें।
जायद फसल	बोआई/उद्भव	• जायद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • हमें कीटनाशक डाइक्लोरोव ℅76ई और .सी. जिनेब ℅75डब्लु . .पी . मूंग, उड़द, सोयाबीन, सूरजमुखी और कपास के संरक्षण के लिए प्रयोग में लाने चाहियें ।
मूंग/उरद	बोआई/उद्भव	• मूंग /उरद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।

सोयाबीन/सूरज-मुखी	बोआई/उद्भव	• सोयाबीन/सूरज-मुखी फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।
मटर	बोआई/उद्भव	*बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए। *मटर की फसल में निराई-गुड़ाई बुआई के 20-25 दिन बाद करनी चाहिए।
काबुली चना	बोआई/उद्भव	➢ काबुली चना की फसल में बिना देरी के बुवाई करनी चाहिए। बुवाई से पहले, मिट्टी में उचित नमी सुनिश्चित करें। छोटे और मध्यम आकार के अनाज के लिए 60-80 किलोग्राम बीज और बड़े काबुली चना की किस्मों के लिए 80-100 किलोग्राम बुवाई में लगाना चाहिए। 30-35 सेमी लाइन से लाइन की दूरी बनाए रखी जानी चाहिए। काबुली की विविधता: पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कर (B.G.1053); मध्यम आकार की किस्में: JG14, R.B.G.202, R.B.G.203, C.235, पूसा 246, P.B.G.1, पूसा 372. बीज को राइजोबियम और PSB संस्कृति के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए।

फूलगोभी	बोआई/उद्भव	➢ फूलगोभी, गोभी, ब्रोकोली और टमाटर के परिपक्व रोपाई का प्रत्यारोपण भी उठाए गए बिस्तर में किया जा सकता है। अनुशंसित रिक्ति को बनाए रखा जाना चाहिए। दिसंबर या जनवरी में परिपक्व होने वाली देर से फसल के लिए नर्सरी की तैयारी शुरू की जानी चाहिए।
मिर्च	बोआई/उद्भव	➢ मिर्च और टमाटर के खेतों में, उन पौधों को उखाड़ दें जो वायरल रोगों से प्रभावित हैं और उन्हें जमीन में दफन करते हैं। यदि पौधे बड़े पैमाने पर प्रभावित होते हैं, तो वेक्टर नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड @ 0.3 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें।
हरा चना	कीट नियंत्रण	➢ हरे चने और काले चने की परिपक्व फली को जल्द से जल्द चुनें। फली चुनने के बाद खेत में पौधे की खेती करनी चाहिए। खेत की तैयारी मुख्य रूप से तोरिया और सरसों की रबी फसलों की बुवाई के लिए की जानी चाहिए। फसलों की बुवाई के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले बीज का उपयोग करें।
मेथी	उद्भव	➢ मेथी, धनिया, पालक और लहसुन की बिना देरी के बुवाई पूरी कर लेनी चाहिए। बुवाई से पहले, मिट्टी में उचित नमी सुनिश्चित करें। लहसुन की उन्नत किस्में: G-1, G-41, G-50, G-282। अच्छी तरह से विघटित जैविक खाद और फॉस्फेट उर्वरक को खेत में लगाना चाहिए।
आलू	उद्भव	➢ वातावरण में नमी बढ़ने बादल छाये/रहने और तापमान गिरने से आलूकी फसल में झुलसा रोग का कोप तेजी से फैलता है। अतः इसके रोकथाम हेतु बुवाई के २५३०–

		दिन बाद मनकोजेब २ ०.ग्राम लीटर पानी/में घोल बनाकर छिड़काव करे। आलू की फसल में पहली सिचाई बुवाई के 8-10 दिन के बाद शेष सिचाई 12 - 15 दिन के अंतराल पर करे।
नींबू	प्रत्यारोपण/ कीट नियंत्रण	➢ मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, किसानों को सलाह दी जाती है कि खट्टे प्रजातियों में बरसात के मौसम में कैंकर रोग का तेजी से प्रसार होता है। प्रभावित पत्तियों और टहनियों को तोड़कर नष्ट कर दिया जाता है, उसके बाद, 60 लीटर पानी में @ 180 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड और @ 6 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन के घोल का छिड़काव करें।
आंवला	प्रत्यारोपण/ कीट नियंत्रण	➢ आंवला में फल सडन की बिमारी रोकने के लिए ब्लिटॉक्स 3 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें |
आम	प्रत्यारोपण/ कीट नियंत्रण	➢ अमरूद, आम, कटहल और नीबू के नए बाग लगाने का यह सबसे अच्छा समय है।
पपीता	सामान्य	*पपीते की बीजो की बुबाई हेतु तैयारी करे | पौधे को साधने के लिए 25 से 30 मीटर लम्बी लकड़ी को सहारा देने के लिए लगाना चाहियें |
भैंस	सामान्य	➢ जहां तक संभव हो मवेशी शेड को सूखा रखना चाहिए। संतुलित आहार (हरा चारा 15-20 किलोग्राम पुआल और आटा, सरसों का केक, खनिज मिश्रण या चावल की भूसी 2-3 किलोग्राम) प्रतिदिन भैंस और गायों को दिया जाना चाहिए ताकि दूध का उत्पादन प्रभावित न हो। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गेहूं के भूसे के साथ मिश्रित हरे

		चारे का उपयोग करें। जानवरों को छायांकित जगह पर रखें, एचएस बीमारी के खिलाफ टीकाकरण करें और हरा चारा, ताजा और साफ पानी एक दिन में तीन बार प्रदान करें। गायों, भैंस, बकरियों, और भेड़ के आंतरिक परजीवियों के नियंत्रण में डीवर्मिंग का उपयोग करना। मवेशी और मुर्गी शेड उचित हवादार होना चाहिए और उचित चारा और स्नान प्रदान करना चाहिए।
बकरी	सामान्य	➢ मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, किसानों को पीपीआर रोग को नियंत्रित करने के लिए बकरी का टीकाकरण करने की सलाह दी जाती है|
मुर्गी	सामान्य	➢ मुर्गियों को परजीवियों से बचाने के लिए पानी के साथ पिपराज़िन का मिश्रण दें। 7 दिनों (एफ 1) और 6 सप्ताह में R2B के साथ चूजों का टीकाकरण करें। रानी खेत रोग से बचाव के लिए पोल्ट्री पक्षियों का टीकाकरण करें। (7 दिनों की आयु में पहला F-1 और 8 सप्ताह की आयु में दूसरा R2B)। मुर्गी शेड के बिस्तर को समय से गीला कर दें और इसे सूखने के लिए चूना लगा दें। पोल्ट्री पक्षियों को खनिज मिश्रण, ताजा और साफ पानी प्रदान करें।

(ए.के. सिंह)

वैज्ञानिक-सी
कृते प्रभारी निदेशक
मौसम केंद्र, लखनऊ

पूर्वानुमान जारी करने हेतु अधिकृत कृषि मौसम सलाहकार इकाई
मौसम केंद्र लखनऊ
भाग-II
जिलेवार कृषि मौसम सलाहें-

बुलेटिन क्रमांक- 28/21 *जारी करने की तिथि- 06/04/21*

सल	फसल अवस्था	IV) नोडल अधिकारी फ़ैजाबाद :- जिले बाराबंकी, रायबरेली, सुल्तानपुर, गोरखपुर, फ़ैजाबाद, बस्ती अम्बेदाकारनगर, संतकबीरनगर, देवरिया व बलिया|
रबी फसल	सामान्य	आगामी शुष्क मौसम के मद्देनजर किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसलों को काटकर आवश्यकता के अनुसार भण्डार और कोल्ड स्टोरेज में रखें।

जायद फसल	बोआई/उद्धव	• जायद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • हमें कीटनाशक डाइक्लोरोव %76ई और .सी. जिनेब %75डब्लु ..पी . मूंग, उड़द, सोयाबीन, सूरजमुखी और कपास के संरक्षण के लिए प्रयोग में लाने चाहियें ।
मूंग/उरद	बोआई/उद्धव	• मूंग /उरद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।
सोयाबीन/सूरज-मुखी	बोआई/उद्धव	• सोयाबीन/सूरज-मुखी फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।
सरसों	बोआई/उद्धव	*बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए। • सरसों की फसल में सरसों के कीड़े और बालों के कैटरपिलर कीट के प्रकोप की संभावना है। *सरसों की फसल में सरसों की मक्खी और बालों के कैटरपिलर कीट के प्रकोप की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए इमामैक्टिन बेंजोएट का छिड़काव 5% एसजी 200

		ग्राम / हैक्टर की दर से 500-600 लीटर पानी में करें।
फूलगोभी	बोआई/उद्धव	➢ फूलगोभी, गोभी, ब्रोकोली और टमाटर के परिपक्व रोपाई का प्रत्यारोपण भी उठाए गए बिस्तर में किया जा सकता है। अनुशंसित रिक्ति को बनाए रखा जाना चाहिए। दिसंबर या जनवरी में परिपक्व होने वाली देर से फसल के लिए नर्सरी की तैयारी शुरू की जानी चाहिए।
पालक	बोआई/उद्धव	➢ किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सर्दियों के मौसम की सब्जी की सर्वोत्तम बुआई के समय जैसे: पालक, मेथी, धनिया, गाजर और मूली आदि को पंक्ति में रखें।
बैगन	वानस्पतिक अवस्था	➢ वर्तमान मौसम को ध्यान में रखते हुए, किसानों को अपने खेतों की नियमित रूप से निगरानी करने की सलाह दी जाती है। इमिडाक्लोप्रिड का स्प्रे 17.8% एससी @ 1.0 मिली / 3 लीटर आसमान साफ होने पर सभी फसलों और सब्जियों में सफेद मक्खियों और अन्य चूसने वाले कीटों के खिलाफ पानी में मिलाकर करें ।
मूली	बोआई/उद्धव	➢ लकीरों पर मूली, पालक, अमरबेल की बुवाई के लिए किसानों को सलाह दी जाती है। उन्हें प्रमाणित स्रोतों से अच्छी गुणवत्ता वाले बीज खरीदने की भी सलाह दी जाती है।
आलू	बोआई/उद्धव	➢ वातावरण में नमी बढ़ने बादल/छाये रहने और तापमान गिरने से आलूकी फसल में झुलसा रोग का कोप तेजी से फैलता है। अतः इसके रोकथाम हेतु बुवाई के २५३०- दिन बाद मनकोजेब २ ०.ग्राम लीटर पानी/में घोल बनाकर छिड़काव करे। आलू की फसल में पहली सिचाई बुवाई के 8-10 दिन के बाद शेष सिचाई 12 - 15 दिन के

		अंतराल पर करे।
मिर्च	बोआई/उद्ध व	➢ रिज पर बैगन, टमाटर, मिर्च और शुरुआती फूलगोभी की रोपाई की सलाह उन किसानों के लिए दी जाती है, जिनके पौधे तैयार होते हैं।
गन्ना	बोआई/उद्ध व	➢ किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने वसंतकालीन गन्ने में यूरिया की शीर्ष ड्रेसिंग करें क्योंकि उचित नमी मिट्टी में उपलब्ध है यदि अभी तक नहीं किया गया है और तेजी से बढ़ते गन्ने के लिए आवास से बचने के लिए उन्हें बांध दिया गया है।
प्याज	बोआई/उद्ध व	➢ खरीफ प्याज की नर्सरी बढ़ाने के लिए अग्रीफाउंड, डार्क रेड, N-23 जैसी किस्मों के साथ 8-10 किलोग्राम बीज / हे का उपयोग करके सलाह दी जाती है। इसका नर्सरी बेड मिट्टी की सतह से 15 सेमी ऊपर उठाया जाना चाहिए।
गौर	बोआई/उद्ध व	➢ किसानों को ग्वार, क्लस्टर बीन, अमरनाथ और भिंडी की बुवाई के लिए सलाह दी जाती है। उन्हें प्रमाणित स्रोतों से अच्छी गुणवत्ता वाले बीज खरीदने की सलाह दी जाती है। बुवाई से पहले बीज का उपचार करना चाहिए।
केला	सामान्य	➢ इस समय केले के रोपण और 3 महीने पुराने प्रकंद के लिए स्वस्थ और रोग मुक्त प्रकंद का उपयोग करें।
अमरुद	बोआई/उद्ध	जो किसान इस बारिश के मौसम में नए बाग स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें सलाह दी

	व	जाती है कि गड्ढों को 1 मी × 1 मी × 1 मी खोदें और इन्हें अच्छी तरह से विघटित एफवाईएम से भरें। दीमक और सफेद ग्रब को रोकने के लिए गड्ढों का उपचार 5.0 मिलीलीटर क्लोरोपाइरीफोस 20 ईसी प्रति लीटर पानी के साथ करना चाहिए।
आम	प्रत्यारोपण/ कीट नियंत्रण	➢ जो किसान इस बारिश के मौसम में नए बाग स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि गड्ढों को 1 मी × 1 मी × 1 मी खोदें और इन्हें अच्छी तरह से विघटित एफवाईएम से भरें। दीमक और सफेद ग्रब को रोकने के लिए गड्ढों का उपचार 5.0 मिलीलीटर क्लोरोपाइरीफोस 20 ईसी प्रति लीटर पानी के साथ करना चाहिए।
पपीता	सामान्य	*पपीते की बीजो की बुबाई हेतु तैयारी करे | पौधे को साधने के लिए 25 से 30 मीटर लम्बी लकड़ी को सहारा देने के लिए लगाना चाहियें |
भैंस	सामान्य	➢ किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने पशुओं को पैर और मुंह के रोगों से बचाव के लिए टीका लगवाएं। टीकाकरण अभियान शुरू हो गया है और अपने पशु अस्पताल से संपर्क करें।

(ए.के. सिंह)
वैज्ञानिक-सी
कृते प्रभारी निदेशक

मौसम केंद्र, लखनऊ

पूर्वानुमान जारी करने हेतु अधिकृत कृषि मौसम सलाहकार इकाई
मौसम केंद्र लखनऊ
भाग-II
जिलेवार कृषि मौसम सलाहें-

बुलेटिन क्रमांक- 28/21 ***जारी करने की तिथि- 06/04/21***

फसल	फसल अवस्था	V) नोडल अधिकारी कानपुर :- जिले कन्नौज हाथरस, मथुरा, आगरा, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, कानपुर शहर, उन्नाव, लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी, खीरी-लखीमपुर, काशीरामनगर |
रबी फसल	सामान्य	आगामी शुष्क मौसम के मद्देनजर किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसलों को काटकर आवश्यकता के अनुसार भण्डार और कोल्ड स्टोरेज में रखें।
जायद फसल	बोआई /उद्भव	• जायद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • हमें कीटनाशक डाइक्लोरोव %76ई और .सी. जिनेब %75डब्लु . .पी . मूंग, उड़द, सोयाबीन, सूरजमुखी और कपास के संरक्षण के लिए प्रयोग में लाने चाहियें ।

मूंग/उरद	बोआई /उद्भव	• मूंग /उरद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।
सोयाबीन/सूरज-मुखी	बोआई /उद्भव	• सोयाबीन/सूरज-मुखी फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।
आलू	बोआई /उद्भव	• फसल कटने के बाद आलू को सुरछित शीतगृह में रखना चाहिए।
हरा चना	बोआई /उद्भव	➢ हरा चने की फसल में खरपतवारों के नियंत्रण के लिए, इमेजिनेटर 10 एसएल 1.0 लीटर / हेक्टेयर की दर से, बुवाई के 15-20 दिनों के बाद 500-800 लीटर पानी में घोल बनाकर साफ आसमान में छिड़कें।
तिल	सामान्य	➢ तिल की फसल में सुंडा कीट के पत्ती और फल के संक्रमण की संभावना है, इसलिए इसे रोकने के लिए, स्पर्मेथ्रिन 25% ईसी 0.5 लीटर / हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में छिड़काव करें।

आलू	बोआई /उद्भव	आलू की मुख्य फसलों - कुफरी बहार, कुफरी आनंद, कुफरी पुखराज, कुफरी बादशाह, कुफरी सिंदूरी, कुफरी, सतलज, कुफरी एवरग्रीन, कुफरी चिप्सोना -1, कुफरी चिपसोना -3, कुफरी चिपसोन -3, कुफरी फ्राइसोना आदि के लिए मौसम अनुकूल है। आलू की फसल में चेचक की बीमारी को रोकने के लिए नियंत्रण को 100 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन या बोरिक एसिड के साथ 10 लीटर पानी में मिलाकर बीजों पर छिड़काव करना चाहिए ।
मिर्च	सामान्य	पातगोभी और फूलगोभी नर्सरी डालें और तैयार रोपाई को रोपाई करें। यदि सब्जी की फसलों में फल छेदक / पत्ती बोरर का प्रकोप है, तो इसे नियंत्रित करने के लिए नीम के तेल का 1.5 मिलीलीटर / लीटर पानी में घोल बनाकर 6-10 दिनों के अंतराल पर 3-4 बार छिड़काव करें। मूली और मेथी की बुवाई शुरू करें। आलू की बुवाई के लिए खेत तैयार करें।
पपीते	बोआई /उद्भव	पपीते के बीजों की रोपाई करें। नए बैग में नष्ट हुए पौधों के स्थान पर नए पौधे लगाएं। केले / पपीते के थैलों को मोड़कर तने के चारों ओर 25-30 मीटर ऊँची मिट्टी का एक स्टैंड बना लें। आम के पत्तों की रोकथाम के लिए, 2% कारबरील 1.5% धूल लगाएँ।
आम	प्रत्या रोपण/ कीट नियंत्र	➢ पहले से ही भरे हुए गड्ढों में नए पौधों का रोपण करें। नए बैग में नष्ट हुए पौधों के स्थान पर नए पौधे लगाएं। केले / पपीते के थैलों को मोड़कर तने के चारों ओर 25-30 मीटर ऊँची मिट्टी का एक स्टैंड बना लें। आम की पत्ती मोथ की रोकथाम के लिए, स्पष्ट आकाश पर 2% कार्बरिल 1.5% धूल लागू करें।

	ण	
पपीता	सामान्य	*पपीते की बीजो की बुबाई हेतु तैयारी करे | पौधे को साधने के लिए 25 से 30 मीटर लम्बी लकड़ी को सहारा देने के लिए लगाना चाहियें |
भैंस	सामान्य	➢ किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जानवरों को साफ जगह पर रखें और मक्खी और मच्छर के धुएं को रोकने के लिए जानवरों को धूम्रपान करें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। जानवरों के पेट में कीड़े की रोकथाम के लिए एंटीथेलेटिक दवाएं देने का सबसे अच्छा समय है। पशुओं को गले और लैंथिया बुखार से बचाव के लिए टीका लगवाएं। पशुओं को दिन में 3-4 बार साफ और ताजा पानी देना चाहिए। जानवरों को दिन के समय छाया में बांधें और जानवरों को पेड़ के नीचे न बाँधें।
मुर्गी	सामान्य	➢ किसानों को हर दिन उस जगह पर सफाई करने की सलाह दी जाती है जहां मुर्गियां रहती हैं। मुर्गियों को स्वच्छ पानी और संतुलित आहार की व्यवस्था करें। मुर्गियों के पेट में कीड़े की रोकथाम के लिए दवा दें।

(ए.के. सिंह)
वैज्ञानिक-सी
कृते प्रभारी निदेशक

मौसम केंद्र, लखनऊ

पूर्वानुमान जारी करने हेतु अधिकृत कृषि मौसम सलाहकार इकाई

मौसम केंद्र लखनऊ

भाग-II

जिलेवार कृषि मौसम सलाहें-

बुलेटिन क्रमांक- 28/21 *जारी करने की तिथि- 06/04/21*

फसल	फसल अवस्था	VI) नोडल अधिकारी मोदीपुरम :- जिले मेरठ, पीलीभीत सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, अलीगढ, बुलंदशहर, मुरादाबाद, ज्योर्तिबाफुलेनगर, बिजनौर बदायूं, बरेली, रामपुर, शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद ,शामली,सम्भल,हापुड़
रबी फसल	सामान्य	आगामी शुष्क मौसम के मद्देनजर किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसलों को काटकर आवश्यकता के अनुसार भण्डार और कोल्ड स्टोरेज में रखें।

जायद फसल	बोआई /उद्भव	• जायद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • हमें कीटनाशक डाइक्लोरोव %76ई और .सी. जिनेब %75डब्लु . .पी . मूंग, उड़द, सोयाबीन, सूरजमुखी और कपास के संरक्षण के लिए प्रयोग में लाने चाहियें ।
मूंग/उरद	बोआई /उद्भव	• मूंग /उरद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।
सोयाबीन/सूरज-मुखी	बोआई /उद्भव	• सोयाबीन/सूरज–मुखी फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।
आलू	बोआई /उद्भव	• फसल कटने के बाद आलू को सुरछित शीतगृह में रखना चाहिए।
मटर	बोआई /उद्भव	*बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए। *मटर की फसल में निराई-गुड़ाई बुआई के 20-25 दिन बाद करनी चाहिए।

लहसुन	बोआई /उद्भव	➢ लहसुन की बुवाई उठी हुई क्यारी में की जा सकती है। बुवाई से पहले किसानों को बेहतर बीज अंकुरण के लिए इष्टतम मिट्टी की नमी सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है।
गोभी	बोआई /उद्भव	➢ बैंगन, टमाटर, मिर्च और गोभी की रोपाई रिज पर करने की सलाह उन किसानों को दी जाती है, जिनके रोपे तैयार हो जाते हैं। खेत में उचित जल निकासी की जानी चाहिए |
अरबी/ भिंडी	बोआई /उद्भव	➢ भिंडी की फसल में, बुवाई के 50 दिनों के बाद, प्रति हेक्टेयर 30 से 40 किलोग्राम नाइट्रोजन का दूसरा और अंतिम शीर्ष ड्रेसिंग करें।
शिमला मिर्च	बोआई /उद्भव	➢ शिमला मिर्च की रोपाई के समय 75 किलोग्राम नाइट्रोजन 60 किलोग्राम फास्फोरस 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें।
धनिया	बोआई /उद्भव	➢ धनिया प्रजाति पंत हरीतिमा, आजाद धनिया -1 की बुवाई इस महीने की 25 तारीख से शुरू की जा सकती है, जब बारिश खत्म हो जाएगी।
पत्ता गोभी	बोआई /उद्भव	➢ पत्तागोभी की शुरुआती किस्मों जैसे पूसा हाइब्रिड 2 की बुवाई 15 सितंबर तक शुरू की जा सकती है और पूसा ड्रमहेड की मध्यम किस्मों को 15 सितंबर के बाद लगाया जा सकता है।

प्याज	बोआई /उद्भव	➢ प्याज की खेती के लिए खेत की तैयारी के समय 200 से 250 कुन्तल गोबर की खाद डालें। रोपाई की तैयारी करते समय, अंतिम जुताई से पहले 35 किलोग्राम नाइट्रोजन 50 किलोग्राम फास्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से मिलाएं।
आलू	बोआई /उद्भव	➢ 10 अक्टूबर से आलू की शुरुआती किस्में कुफरी अशोक, कुफरी चंद्रमुखी, कुफरी जवाहर बोएं और 15 से 20 अक्टूबर तक कुफरी बहार, कुफरी पुखराज बोएं । बुवाई के समय 100 से 150 किलोग्राम नाइट्रोजन, 80 से 100 किलोग्राम फास्फोरस 100-150 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। 1 हेक्टेयर आलू की बुवाई के लिए लगभग 20 से 25 क्विंटल बीज की आवश्यकता होती है|
मेज-लोबिया	बोआई /उद्भव	➢ पूसा नरम, पूसा बासमती गरिमा ग्वार की बुवाई के लिए एक अच्छी प्रजाति है। ग्वार की एक अच्छी फसल के लिये 20 से 25 प्रति हेक्टेयर - गोबर या खाद के साथ खाद उस समय 40 किग्रा नाइट्रोजन 50 किग्रा फॉस्फेट 50 किग्रा पोटाश देना बुवाई पर्याप्त होगी।
गन्ना	बोआई /उद्भव	➢ शरद ऋतु में गन्ने की बुवाई का उपयुक्त समय अक्टूबर महीना होता है। बुआई के लिए नई फसल गन्ने का प्रयोग करें। ट्रेंच विधि से गन्ने की किस्में CO 0238 और कोशा 07250 का उपयोग करें। नालियों में 90 सेंटीमीटर की दूरी पर बुवाई करें और आलू रेपसीड या मसूर की फसल की कटाई करें। एक हेक्टेयर गन्ने की बुवाई के लिए 60 से 70 क्विंटल बीज की आवश्यकता होगी। बीजों का उपचार: कार्बेन्डाजिम 50 ग्राम डब्ल्यूपी को 100 लीटर पानी में घोलकर 25 क्विंटल गन्ने के

		टुकड़ों का उपचार कर सकते हैं।
अदरक	वानस्पतिक अवस्था	➢ बुवाई के 60 से 70 दिन बाद हल्दी में 40 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर और अदरक में 25 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर से दूसरा शीर्ष ड्रेसिंग करें।
लौकी	सामान्य	लौकी की सब्जियों में मचान बनाएं। सभी सब्जियों में उचित जल निकासी प्रदान करें।
आंवला	प्रत्यारोपण/कीट नियंत्रण	आंवला में फलों के सड़ने की बीमारी को रोकने के लिए कॉपरॉक्साइक्लोराइड के घोल का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। आंवला में सूखी सड़ांध काली गुदा की रोकथाम के लिए, जिसमें 80 से 90% फल अंदर से काले हो जाते हैं और अक्टूबर-नवंबर में गिरते हैं 15 दिनों के अंतराल पर 6 ग्राम बोरेक्स प्रति लीटर पानी में घोलकर दो बार छिड़काव किया जा सकता है। ।
लीची	सामान्य	लीची में 1 वर्ष पुराने पौधों के लिए 1 किलो गोबर, 50 ग्राम नाइट्रोजन, 25 ग्राम फॉस्फोरस, 50 ग्राम पोटाश का उपयोग करें। 10 वर्ष या उससे अधिक आयु के पौधों में हर साल इस मात्रा को बढ़ाएं, 50 किलोग्राम गोबर, 500 ग्राम नाइट्रोजन, 250 ग्राम फॉस्फोरस, 500 ग्राम पोटाश प्रति

		पौधे का उपयोग करें। जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देने पर 0.4 प्रतिशत जिंक सल्फेट का प्रयोग करें |
केला	कटाई/ परिपक्व अवस्था	पौधे से 50 सेंटीमीटर की दूरी पर केले में प्रति पौधे 55 ग्राम यूरिया का प्रयोग करें और इसे मिट्टी में हल्के से मिलाएं।
आम	प्रत्यारोपण/ कीट नियंत्रण	➢ आम के फलों की तुड़ाई के बाद, फलदार पेड़ों में प्रति पेड़ 500 ग्राम नाइट्रोजन दें।
पपीता	सामान्य	*पपीते की बीजो की बुबाई हेतु तैयारी करे | पौधे को साधने के लिए 25 से 30 मीटर लम्बी लकड़ी को सहारा देने के लिए लगाना चाहियें |
भैंस	सामान्य	पैर और मुंह की बीमारी की रोकथाम के लिए टीका लगवाएं। पोटेशियम परमैंगनेट के साथ इस बीमारी से पीड़ित जानवरों के घावों को धो लें। दोनों टीकों के बीच 15 से 20 दिनों का अंतर

		रखें। कोलस्ट्रम नवजात को अवश्य दें। सभी जानवरों में, पेट के कीड़े को मारने के लिए दवा दें। स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए, जानवरों की सफाई, स्वयं और दूध के बर्तन आदि का ध्यान रखें।
मुर्गी	सामान्य	➢ चिकन में कैल्शियम के लिए सीप का चूरा रखें। पेट में कीड़े मारने की दवा दें। चिकन की चोंच को काटें। पोल्ट्री में 14 से 16 घंटे प्रकाश प्रदान करें। ध्यान रखें कि मुर्गीपालन में 3 वर्ग मीटर प्रति मुर्गी उपलब्ध होनी चाहिए। नियमित रूप से बिछाने की दिनचर्या को उलट दें।

(ए.के. सिंह)
वैज्ञानिक-सी
कृते प्रभारी निदेशक
मौसम केंद्र, लखनऊ

पूर्वानुमान जारी करने हेतु अधिकृत कृषि मौसम सलाहकार इकाई
मौसम केंद्र लखनऊ
भाग-II
जिलेवार कृषि मौसम सलाहें-

बुलेटिन क्रमांक- 28/21 ***जारी करने की तिथि- 06/04/21***

फसल	फसल अवस्था	VII) **जिले वाराणसी, आजमगढ़, गाजीपुर चौन्दौली, सोनभद्र, मिर्जापुर, संतरविदासनगर, मऊ व जौनपुर।**
रबी फसल	सामान्य	आगामी शुष्क मौसम के मद्देनजर किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसलों को काटकर आवश्यकता के अनुसार भण्डार और कोल्ड स्टोरेज में रखें।
जायद फसल	बोआई /उद्भव	• जायद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • हमें कीटनाशक डाइक्लोरोव %76ई और .सी. जिनेब %75डब्लु . .पी . मूंग, उड़द, सोयाबीन, सूरजमुखी और कपास के संरक्षण के लिए प्रयोग में लाने चाहियें
मूंग/उरद	बोआई /उद्भव	• मूंग /उरद फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।
सोयाबीन/सूरज-	बोआई /उद्भव	• सोयाबीन/सूरज-मुखी फसल की बुआई हेतु खेत की तैयारी करें। • बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए।

मुखी		
हरा चना	सामान्य	*बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए। ➢ समय पर बुवाई के लिए प्रमाणित बीज का उपयोग करें। बुवाई से पहले बीज को राइजोबियम, पीएसबी और ट्राइकोडर्मा (6.0 ग्राम / किलोग्राम बीज) से उपचारित करना चाहिए।
मटर	बोआई /उद्भव	*बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए। *मटर की फसल में निराई-गुड़ाई बुआई के 20-25 दिन बाद करनी चाहिए।
लहसुन	बोआई /उद्भव	➢ लहसुन की बुवाई उठी हुई क्यारी में की जा सकती है। बुवाई से पहले किसानों को बेहतर बीज अंकुरण के लिए इष्टतम मिट्टी की नमी सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है।
आलू	बोआई /उद्भव	➢ मिट्टी और कंद जनित रोगों को नियंत्रित करने के लिए अनुशंसित कीटनाशक के साथ कंद के उपचार के बाद रोपण करें।
मूली	बोआई /उद्भव	➢ उच्च स्टैंड की स्थापना के लिए इष्टतम मिट्टी की नमी पर अच्छी तरह से तैयार क्षेत्र में बुवाई करें।

गाज़र	बोआई /उद्भव	➢ उच्च स्टैंड की स्थापना के लिए इष्टतम मिट्टी की नमी पर अच्छी तरह से तैयार क्षेत्र में बुवाई करें ।
सरसों	बोआई /उद्भव	*बारिश नहीं होने की स्थिति में कीटनाशक, कीटनाशक, खरपतवार, औषधियों और सिंचाई का छिड़काव करना चाहिए। *प्रमाणित बीज के साथ समय पर बुवाई करें । सरसों की फसल में सरसों के कीड़े और बालों के कैटरपिलर कीट के प्रकोप की संभावना है।
काबुली चना	कटाई अवस्था	➢ भंडारण से पहले खाद्यान्न के सूखे सूरज को ढंकना। खाली खेत में गर्मियों की गहरी जुताई करें।
लौकी	सामान्य	➢ फलों को लेने और बेचने के लिए बाजार भेजने का उपक्रम।
गन्ना	बोआई /उद्भव	➢ खड़ी फसल में नाइट्रोजन की निराई और गुड़ाई करे। कीट-पतंगों और बीमारियों की निगरानी करें और इसके लक्षण दिखाई देने पर अनुशंसित नियंत्रण उपायों को अपनाए।
बैगन	वानस्पति	➢ कीट-पतंगों और बीमारियों की निगरानी करें और इसके लक्षण दिखाई देने पर अनुशंसित नियंत्रण उपायों को अपनाए।

	क अव स्था	
आम	प्रत्या रोपण/ कीट नियंत्र ण	➢ जो किसान इस बारिश के मौसम में नए बाग स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि गड्ढों को 1 मी × 1 मी × 1 मी खोदें और इन्हें अच्छी तरह से विघटित एफवाईएम से भरें। दीमक और सफेद ग्रब को रोकने के लिए गड्ढों का उपचार 5.0 मिलीलीटर क्लोरोपाइरीफोस 20 ईसी प्रति लीटर पानी के साथ करना चाहिए।
पपीता	सामा न्य	*पपीते की बीजो की बुबाई हेतु तैयारी करे | पौधे को साधने के लिए 25 से 30 मीटर लम्बी लकड़ी को सहारा देने के लिए लगाना चाहियें |
भैंस	सामा न्य	➢ रात का तापमान गिर रहा है इसलिए रात के समय जानवरों को छाया में रखें व अलाब जलाएँ |

(ए.के. सिंह)
वैज्ञानिक-सी

कृते प्रभारी निदेशक
मौसम केंद्र, लखनऊ

% Station Reporting Rainfall-

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	सभी स्थानों पर	26-50	कुछ स्थानों पर
51-75	अधिकांश स्थानों पर	1-25	एक-दो स्थानों पर
No Rain	शुष्क		

Intensity of Rainfall-

Descriptive Term Used	Rainfall amount in mms
No Rain	0.0
Very Light Rain	0.1-2.4
Light Rain	2.5-15.5
Moderate Rain	15.6-64.4

Heavy Rain	64.5-115.5
Very Heavy Rain	115.6-204.4
Extremely Heavy Rain	≥204.5